

पाठ्यक्रम: HIN-505

पाठ्यक्रम का शीर्षक: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	पाश्चात्यकाव्यशास्त्र का सामान्य परिचयात्मक ज्ञान अपेक्षित है।	घंटे
उद्देश्य	- पाश्चात्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत कराना। - पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों का अध्ययन कराना। 21वीं सदी के पाश्चात्य काव्यचिंतन से परिचित कराना। - काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्राप्त कराना।	
पाठ्य विषय	1. पाश्चात्य काव्यचिंतन का उद्भव एवं विकास (प्राचीन यूनानी काव्यचिंतन से 21वीं सदी तक का क्रमिक विकास)	12
	2. प्रमुख पाश्चात्य चिंतकों के सिद्धांत 1) प्लेटो: काव्यप्रेरणा, अनुकरण, प्रत्ययवाद 2) अरस्तू: अनुकरण, त्रासदी, विरेचन 3) लॉजाइनस: उदात्तता 4) कॉलरिज, वुड्सवर्थ: स्वच्छंदतावाद 5) मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता, आलोचना सिद्धांत 6) क्रोचे: अभिव्यंजनावाद 7) आई०ए० रिचर्ड्स: मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत, अर्थ मीमांसा 8) टी० एस० इलियट: निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ सादृश्य, संवेदनशीलता का असाहचर्य	06 06 06 06 06 06 06 06
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) गुप्त, गणपतिचंद्र. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009 2) जैन, निर्मला. पाश्चात्य साहित्य चिंतन. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1990 3) जैन, निर्मला, बाँठिया . कुसुम पाश्चात्य साहित्य चिंतन. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009 4) बाली, तारकनाथ. पाश्चात्य काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010 5) मिश्र, डॉ० सभापति. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन. जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 6) मिश्र, डॉ० भगीरथ. पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016 7) मिश्र, सत्यदेव. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2021 8) शर्मा, कृष्णलाल. यूनानी रोमी काव्यशास्त्र में उत्तर आभिजात्य	

	चिंतनधारा. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015 9) शर्मा, देवेन्द्रनाथ. पाश्चात्य काव्यशास्त्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016 10) सिंह, विजय बहादुर. पाश्चात्य काव्यशास्त्र. अपरा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 11) Barry, Peter. Beginning Theory: An Introduction to Literary and Cultural Theory. Manchester University Press, 2002 12) Bennett, Andrew, and Nicholas Royale. An Introduction to Literature, Criticism and Theory. Pearson Education Limited, 2009 13) Habib, M.A.R. Literary Criticism from Plato to the Present: An Introduction. Wiley-Blackwell, United Kingdom, 2011 14) Tilak, Dr. Raghukul. History and Principles of Literary Criticism. Rama Brothers, 2002	
अधिगम परिणाम	• पाश्चात्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत होंगे। • पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों से परिचित होंगे। • 21वीं सदी के पाश्चात्य काव्यचिंतन से परिचित होंगे। • काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्रदान होगी।	